CMYK

साप्ताहिक

सफल राजस्थान

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

डाक पं. संख्या : जयपुर सिटी/129/2018-20

होली के पावन पर्व पर आप सभी को सफल राजस्थान की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष- 3 | अंक-31 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 18 मार्च, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

सुधांशु त्रिवेदी ने बताया, क्यों जरूरी
'सशक्त मोदी-सशक्त भारत'

सफल राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान के लोकसभा चुनाव सह प्रभारी सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि साल 2014 की तरह साल 2019 में भी देश को सशक्त नेतृत्व देने का समय आ गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव महज हार जीत का खेल नहीं बल्कि देश के भविष्य की दिशा देने वाले हैं।

मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने महज 5 साल में ही अपने कार्यों के बूते न केवल आमजन का विश्वास जीता है बल्कि दुनिया में भारत का नाम रौशन किया है। त्रिवेदी विशेष संपर्क अभियान-2019 न्यू इंडिया कॉन्क्लेव में 'सशक्त मोदी-सशक्त भारत' विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते पांच साल के भीतर देश जिस गति से प्रगतिपथ पर अग्रसर हुआ है वैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। बडा सवाल यह है कि यह स्थित पहले क्यों नहीं थी? वर्तमान की विपक्षी पार्टियों ने लंबे समय तक देश पर शासन किया था लेकिन उनमें मोदी जैसा जज्बा नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने माना था कि सरकार एक रुपया भेजती है लेकिन जनता तक मात्र 15 पैसे पहुंच पाते हैं। अब हालात उलट हैं, एक रुपए भेजा जाता है तो पूरा रुपए पहुंचता है। भ्रष्टाचार का गला पूरी तरह कसा जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को जिताना है। इस मौके पर बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कोठारी ने कहा कि जीवन समय रफ्तार से आगे बढ़ता है, केवल समय का बढना और आगे बढना पर्याप्त नहीं है।

इस दौरान हम क्या और कितना सीखते हैं, यह महत्वपूर्ण है। साल 2004 में अटल बिहारी की सरकार देश को आगे ले जा रही थी। लेकिन जनसमर्थन न मिलने से विकास की यह गति थम गई। उसी बीच के कालखंड को हम सबने देखा और भोगा भी है। साल 2013-14 के चुनाव में जनता में भाजपा के प्रति आशा और विश्वास जागा। आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझते देश की बागडोर जनता ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानसेवक के रूप में सौंपी। वे पांच साल बिना विश्राम किए काम करते रहे। देशवासियों को लग रहा है? कि कोई तो है? जो देश की चिंता कर रहा है। आतंकवाद पर लगाम कसी, पााकिस्तान समर्थकों को जवाब मिला, नासूर बन चुके नक्सलवाद रूपी चुनौती का सामना किया गया। महंगाई जैसी सर्वव्यापी समस्या का अंत हुआ। मोदी ने आमजन में भरोसा पैदा किया, जनता में एक नया विश्वास जागा। आज दुनिया में भारत के नाम का डंका बज रहा है। जनता के लिए फलदायी योजनाओं का अंबार लगा है। बडा सवाल यह है कि यह सब पहले क्यों नहीं हुआ। चुनाव आते जाते रहे, सरकारें भी बदलीं लेकिन सोच नहीं बदली।

देश को सर्वोपरि मानकर हमें भी सोच बदलनी होगी। यह विशेष संपर्क अभियान देश के हर वर्ग और नागरिक तक पहुंचने का प्रयास है। आपकी सोच इस देश का भविष्य तय करेगी। वर्तमान में मोदी से बेहतर कोई विकृप नहीं है। राष्ट्र निर्माण में आहूति किसी एक का विषय नहीं बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी बनें या राहुल यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि मेरा, आपका और भारत का भविष्य क्या होगा। इसी को ध्यान में रखकर फैसला करना है और एक बार फिर भाजपा को मौका देना है।

इससे पहले अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्ययाय और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर बीजेपी जयपुर प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कोठरी, शहर अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, विशेष संपर्क अभियान की प्रदेश टीम के संयोजक डॉ. श्याम अग्रवाल एवं सदस्य सोमकांत, सुनील जैन, डॉ. बीके शर्मा, प्रदीप खेतान, सुधीर गाडिया, राजेन्द्र सिंह खाचरियावास,आशुतोष पंत, केके गुप्ता, दीन दयान शर्मा, राज बहादुर सिंह, के.एल. बैरवा, डेजी शर्मा, सुरेश गर्ग,अनुराधा, चंद्रशेखर, रेशब अग्रवाल सुभाष, सुरेन्द्र बज, सचिन जैन, राजा भौज समेत शहर के पदमश्री, रिटायर्ड अधिकारी, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, एडवोकेट्स, चाटर्ड एकाउंटेंट, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गणमान्यजन मौजूद रहे। साथ ही विश्वकर्मा एसोसियेशन के भी गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिनमें आर.एस. अग्रवाल, रामानंद मोदी, सुरेश बंसल, जितेन्द्र पाल चुग, राज ढंढारिया।

होली पर्व तिथि व मुहूर्त

20 मार्च, 2019

होलिका दहन मुहूर्त - 20.57 से 00.28
भद्रा पूंछ - 17.23 से 18.24
भद्रा मुख- 18.24 से 20.07

रंगवाली होली

21 मार्च, 2019
पूर्णिमा तिथि आरंभ - 10.44 (20 मार्च)
पूर्णिमा तिथि समाप्त - 07.12 (21 मार्च)

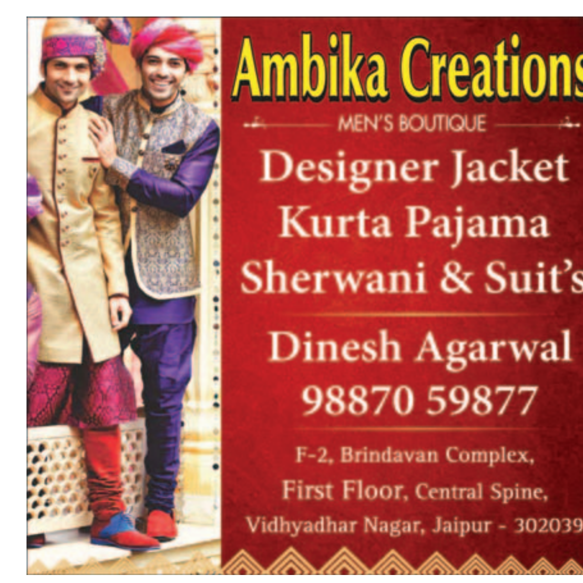

CMYK

सम्पादकीय ... विमला देवी

दोहरा रुख

करीब डेढ़ साल पहले चीन के शियामेन ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा-पत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई थी। उसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों मसलन लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हक्कानी नेटवर्क का भी जिक्र किया गया था। आतंकी

संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में शामिल कराने के प्रयासों पर चीन ने जिस तरह अपनी वीटो-शक्ति का इस्तेमाल किया, वह उसका नया रुख नहीं है। हालांकि इस बात की आशंका पहले से थी कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस की ओर से पेश इस प्रस्ताव को पारित कराने के मामले में चीन सहयोग नहीं करेगा। इसके बावजूद हाल में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ के बयालीस जवानों की जान जाने और जैश-ए-मोहम्मद की ओर से इस घटना की जिम्मेदारी लेने के बाद यह उम्मीद थी कि चीन वास्तविकता को ध्यान में रख कर इस बार अपने पुराने रुख से अलग फैसला लेगा। लेकिन इस प्रस्ताव के सामने आने पर चीन ने साफतौर पर कह दिया कि वह मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगाने की अपील को समझने के लिए और समय चाहता है। सवाल है कि जैश-ए-मोहम्मद, मसूद अजहर या उसकी गतिविधियों के संबंध में अब क्या छिपा हुआ है कि उसे समझने के लिए चीन को अलग से कोशिश करनी पड़ेगी!

> कुछ समय पहले चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा था कि हम भारत के साथ आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग के मोर्चे को मजबूत करना चाहेंगे और दोनों देश मिल कर क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए काम करेंगे। सवाल है कि जिस व्यक्ति को तकनीकी रूप से अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भी पहल कर रहे हैं, उसका बचाव करके चीन भारत के साथ आतंकवाद विरोध के किस मोर्चे को मजबूत करने की बात करना चाहता है?

गौरतलब है कि यह चौथा मौका था जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने लिए प्रस्ताव आया तो चीन ने अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल कर उसे पारित नहीं होने दिया। अजहर मसूद के संगठन जैश-ए-मोहम्मद को करीब अठारह साल पहले ही आतंकी घोषित किया जा चुका है। यह समझना मुश्किल है कि चीन की नजर में आतंकवादी होने की परिभाषा क्या है और आखिर किन वजहों से वह वैश्विक मत को दरकिनार करके मसूद अजहर को लेकर इतना नरम रुख बनाए हुए है। क्या इसे आतंकवाद के मसले पर चीन के दोहरे रवैये के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए? कुछ समय पहले चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा था कि हम भारत के साथ आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग के मोर्चे को मजबूत करना चाहेंगे और दोनों देश मिल कर क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए काम करेंगे। सवाल है कि जिस व्यक्ति को तकनीकी रूप से अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भी पहल कर रहे हैं, उसका बचाव करके चीन भारत के साथ आतंकवाद विरोध के किस मोर्चे को मजबूत करने की बात करना चाहता है? गौरतलब है कि करीब डेढ़ साल पहले चीन के शियामेन ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा-पत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई थी। उसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों मसलन लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हक्कानी नेटवर्क का भी जिक्र किया गया था। तब निश्चित तौर पर ब्रिक्स सम्मेलन में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाने वाले आतंकी संगठनों के खिलाफ निंदा को घोषणा-पत्र में शामिल कराने को भारत की कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा गया था। लेकिन यह भी सच है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मसूद अजहर के मसले पर कूटनीतिक प्रयासों को वांछित सफलता नहीं मिल सकी। लेकिन क्या यह विचित्र नहीं है कि जैश-ए-मोहम्मद नामक जिस संगठन को आतंकवादी बता कर निंदा करने के प्रस्ताव पर चीन ने सहमति जताई थी, उसके मुखिया को आतंकवादी घोषित कराने और प्रतिबंध लगाने की कोशिश को वह बाधित करता है? अगर चीन भारत के साथ सहयोग संबंध को मजबूत करने का दावा करता है, तो उसे आतंकवाद के मसले पर भारत की पीड़ा को भी समझने की कोशिश करनी होगी।

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

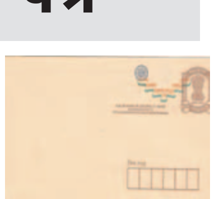

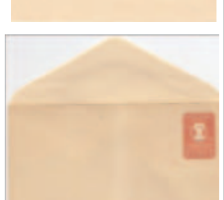

सफल राजस्थान

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 8829966661

अरावली की पहाड़ियों में दफन है दिल्ली और एनसीआर की दुर्दशा का राज

अरावली के अस्तित्व को लेकर कुछ वर्षों से मीडिया, कोर्ट और पर्यावरण संरक्षकों में बहस छिड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका था कि राजस्थान सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण अरावली की पहाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और अवैध खनन पर तुरंत रोक लगाए। राजस्थान के उन्नीस जिलों में अरावली की पर्वत शृंखलाएं हैं जिनसे संपूर्ण क्षेत्र की जैविक विविधता बरकरार रही है। सुप्रीम कोर्ट ने वैध-अवैध दोनों तरीकों से खनन पर रोक लगाने के आदेश दिए थे। न्यायालय का कहना था कि रसूखदार खनन माफिया ने अरावली को ऐसा नुकसान पहुंचाया है जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती है। मौजूदा पीढ़ी के साथ ही आने वाली पीढ़ी को भी इस आत्मघाती कार्य का खमियाजा भुगतना पड़ेगा।

अरावली पहाड़ियों को नष्ट करने के दुष्परिणाम हमारे सामने हैं। जिन क्षेत्रों से अरावली शृंखलाओं का विनाश हुआ उन क्षेत्रों में प्राकृतिक असंतुलन, पर्यावरण प्रदूषण, ऋतु-चक्र में बदलाव, जैविक विविधता की समाप्ति, इंसान में प्रकृति से मैत्री भाव का ह्रास, पाताल में रासायनिक विषैले तत्त्वों की वृद्धि, तेजी से गिरता भूजल स्तर, दुर्लभ वनस्पतियों का विनाश और मानवीय संवेदना में लगातार ह्रास जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। आठ मार्च को उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा सरकार को अरावली वन क्षेत्र में किसी भी तरह की गतिविधियों के प्रति सचेत करते हुए चेतावनी दी कि अगर उसने निर्माण की अनुमति देने के लिए कानून में संशोधन कर अरावली की पहाड़ियों या वन क्षेत्र को कोई भी नुकसान पहुंचाया तो वह मुसीबत में होगी। गौरतलब है हरियाणा सरकार ने 27 फरवरी को कानून में संशोधन कर हजारों एकड़ भूमि क्षेत्र गैर वानिकी और रियल इस्टेट की गतिविधियों के लिए खोल दिया था। इसे लेकर पर्यावरण संरक्षकों में हलचल मच गई थी। अरावली पहाड़ियों के उजाड़ को रोकने के लिए पहला आदेश 7 मई 1992 को जारी किया गया था। राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली क्षेत्र में फैली अरावली की पहाड़ियों को खनन गतिविधियों से जो नुकसान पहुंचाया गया उससे कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं। इससे कई दुर्लभ औषधियों-वनस्पतियों, जंगली जीव-जंतु और पक्षियों का तो अस्तित्व ही समाप्त हो गया। अरावली के अस्तित्व को लेकर कुछ वर्षों से मीडिया, कोर्ट और पर्यावरण संरक्षकों में बहस छिड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका था कि राजस्थान सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण अरावली की पहाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और अवैध खनन पर तुरंत रोक लगाए। राजस्थान के उन्नीस जिलों में अरावली की पर्वत शृंखलाएं हैं जिनसे संपूर्ण क्षेत्र की जैविक विविधता बरकरार रही है। सुप्रीम कोर्ट ने वैध-अवैध दोनों तरीकों से खनन पर रोक लगाने के आदेश दिए थे। न्यायालय का कहना था कि रसूखदार खनन माफिया ने अरावली को ऐसा नुकसान पहुंचाया है जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती है। मौजूदा पीढ़ी के साथ ही आने वाली पीढ़ी को भी इस आत्मघाती कार्य का खमियाजा भुगतना पड़ेगा। अड़तीस अरावली पहाड़ियों का अस्तित्व ही अवैध खनन के चलते समाप्त हो गया है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली क्षेत्र में फैली इन पहाड़ियों पर पिछले चार दशकों से अवैध खनन जारी है। अरावली पहाड़ियों का अस्सी फीसद हिस्सा राजस्थान में आता है। इसी तरह हरियाणा के गुड़गांव, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, मेवात और रेवाड़ी इलाके में ये फैली हुई हैं। दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र के कई किलोमीटर में ये फैली हुई हैं जहां सालों से बजरी और पत्थर खोदने का अवैध कारोबार चल रहा है। वन विभाग की मंजूरी के चलते भी इन क्षेत्रों में वैध-अवैध खनन, निर्माण और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने जैसे कार्यों से पहाड़ियों को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया गया। गौरतलब है कि अरावली में पत्थर खनन के लिए कुछ विशेष तरह के मापदंड तय किए गए थे, जिनमें जहां से जितना पत्थर निकाला जाए वहां मिट्टी से इसकी भरपूर भरपाई की जाने की शर्त थी। लेकिन चिंता की बात यह है कि पहाड़ियों को खोदा तो गया, लेकिन वहां जो गहरे गड्ढे हुए उनमें आवश्यकता के अनुसार मिट्टी नहीं डाली गई। वृक्ष धरती के आभूषण हैं तो पहाड़ धरती के रक्षक। ये मानव को आंधी-तूफान और अन्य मौसमी व भौगोलिक संकटों से बचाने का कार्य भी करते हैं। लेकिन इंसान ने धन-संपत्ति के लोभ में पड़ कर इस महत्त्वपूर्ण विषय पर ध्यान ही नहीं दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि दुनियाभर में बर्फीले आंधी-तूफान, भूकम्प, सुनामी, वैश्विक तापमान, नई-नई बीमारियां, ऋतुचक्र में असंतुलन, रेगिस्तानी क्षेत्र का लगातार विस्तार जैसी नई-नई समस्याएं पैदा हो गईं। सबसे ज्यादा समस्याएं एशिया के देशों में पिछले चार दशकों में देखने में आई हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूनेप) की रपट के मुताबिक दुनिया के सौ देशों में उपजाऊ या हरियाली वाली जमीन रेत के ढेर में बदलती जा रही है। यह खतरा बहुत बड़ा है जिसका असर दुनिया की एक अरब आबादी पर प्रत्यक्ष दिखाई पड़ने लगा है। यह खतरा पहले से रेगिस्तान वाले क्षेत्रों से इतर है। इस वक्त सबसे अधिक रेगिस्तान एशियाई देशों में हैं। दूसरी ओर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का शोध कहता है कि थार का रेगिस्तान अब राजस्थान से निकल कर कई राज्यों में विस्तारित हो गया है। जो धूल पाकिस्तान व उससे लगे क्षेत्रों से उड़ती है उससे सुरक्षा का काम अरावली की पहाड़ियां ही करती आई हैं। पिछले चार दशकों में दिल्ली और एनसीआर में धूल भरी आंधी, तूफान और बेमौसम बरसात का जो सिलसिला शुरू हुआ है उसका सबसे बड़ा कारण अरावली की पहाड़ियों का खत्म होना है। भारत के उन सभी क्षेत्रों में समस्याएं और संकट लगातार बढ़ रहे हैं जहां विकास के नाम पर जल, जंगल और जमीन को आनन-फानन में समाप्त किया गया या किया जा रहा है। बंजर, रेगिस्तान, सूखे और दलदली क्षेत्रों का बढ़ना, नदियों के किनारे से लगातार अवैध खनन का बढ़ते जाना, पहाड़ों को काट कर नए निर्माण करते जाना जैसे अनेक कार्य हैं जिनसे जैविक विविधता को खतरा उत्पन्न हो गया है। जैविक विविधता को बनाए रखने के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है, लेकिन इसको तहस-नहस करने के लिए रात-दिन विध्वंसकारी कार्य किए जा रहे हैं। अरावली पहाड़ियों को नष्ट करने के जो दुष्परिणाम सामने आए हैं वे हमारे सामने हैं। जिन क्षेत्रों से अरावली शृंखलाओं का विनाश हुआ उन क्षेत्रों में प्राकृतिक असंतुलन, पर्यावरण प्रदूषण, ऋतु-चक्र में बदलाव, जैविक विविधता की समाप्ति, इंसान में प्रकृति से मैत्री भाव का ह्रास, पाताल में रासायनिक विषैले तत्त्वों की वृद्धि, तेजी से गिरता भूजल स्तर, दुर्लभ वनस्पतियों का विनाश और मानवीय संवेदना में लगातार ह्रास जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। भारतीय समाज में प्रकृति की पूजा और सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता, प्रकृति से छेड़छाड़ और प्रकृति से असहजता का व्यवहार पिछले चार-पांच दशकों में अधिक देखने को मिला है। जंगल, जमीन, जल, पहाड़, समुद्र, नदी, झीलें, बावड़ियां, पोखर, तालाब, ताल, तलैया, नहर और कुंओं के प्रति एक मैत्रीपूर्ण व्यवहार ही नहीं रहा है।

// गंगा की गंदगी //

मौजूदा सरकार ने गंगा की सफाई के लिए एक अलग से मंत्रालय गठित किया। गंगा को राष्ट्रीय नदी का दर्जा दिया गया है। पर इसकी सफाई को लेकर सरकारें कितनी संजीदा हैं, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के जवाब तलब करने पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यानी एनएमसीजी ने हलफनामा दायर करके बताया कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सरकारों ने समुचित जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई हैं, जिससे दूसरे और तीसरे चरण यानी कानपुर से बक्सर और फिर बक्सर से गंगासागर तक की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करने में मुश्किलें आ रही हैं। हरित अधिकरण ने इसके लिए एनएमसीजी को फटकार लगाई है। इसके साथ ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुख स्थलों पर गंगा जल की गुणवत्ता की जानकारी हर महीने सार्वजनिक करें। हरित अधिकरण ऐसी फटकार पहले भी कई मौकों पर लगा चुका है, पर राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के कार्य-व्यवहार में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है।

उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुख स्थलों पर गंगा जल की गुणवत्ता की जानकारी हर महीने सार्वजनिक करें। हरित अधिकरण ऐसी फटकार पहले भी कई मौकों पर लगा चुका है। गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए करीब तीस साल पहले गंगा कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस योजना के तहत अब तक अरबों रुपए खर्च किए जा चुके हैं पर स्थिति यह है कि गंगा दिन पर दिन गंदी ही होती गई है। मौजूदा सरकार ने गंगा की सफाई के लिए एक अलग से मंत्रालय गठित किया। गंगा को राष्ट्रीय नदी का दर्जा दिया गया है। पर इसकी सफाई को लेकर सरकारें कितनी संजीदा हैं, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के जवाब तलब करने पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यानी एनएमसीजी ने हलफनामा दायर करके बताया कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सरकारों ने समुचित जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई हैं, जिससे दूसरे और तीसरे चरण यानी कानपुर से बक्सर और फिर बक्सर से गंगासागर तक की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करने में मुश्किलें आ रही हैं। हरित अधिकरण ने इसके लिए एनएमसीजी को फटकार लगाई है। इसके साथ ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुख स्थलों पर गंगा जल की गुणवत्ता की जानकारी हर महीने सार्वजनिक करें। हरित अधिकरण ऐसी फटकार पहले भी कई मौकों पर लगा चुका है, पर राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के कार्य-व्यवहार में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है। हालांकि हरित अधिकरण ने अपने ताजा निर्देश में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि एनएमसीजी का गठन गंगा के कायाकृप के लिए किया गया है और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ समन्वय उसकी जिम्मेदारी है। अब उसे कोई टाल-मटोल नहीं सुननी। अगर तीस अप्रैल तक गंगा कार्ययोजना की रूपरेखा पेश नहीं की गई तो वह सख्त कदम उठाने को बाध्य होगा। इसके लिए संबंधित राज्य सरकारों को पर्यावरण क्षति का भुगतान करना पड़ सकता है। देखना है, अधिकरण के इस सख्त रुख का राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों पर कितना और कैसा असर पड़ता है। प्रयाग में कुंभ के दौरान गंगा में मिलने वाली गंदगी को रोकने में बड़ी कामयाबी देखी गई। हरित अधिकरण ने कहा है कि वहां आजमाए गए तकनीकी उपायों का अध्ययन कर इस अभियान में लगे विशेषज्ञों से परामर्श लिया जा सकता है। दरअसल, राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नदियों की सफाई को लेकर कभी गंभीर नहीं दिखे। इसमें उनके टाल-मटोल भरे रवैए की कुछ वजहें दूसरी भी हो सकती हैं। गंगा की सफाई के लिए उन्हें न सिर्फ यह बताना होगा कि कहां-कहां किन स्रोतों से कचरा गंगा में आकर मिलता है, बल्कि उन स्रोतों को बंद कराने में भी सक्रिय भागीदारी करनी होगी। छिपी बात नहीं है कि गंगा के प्रदूषित होने का बड़ा कारण शहरों के रिहाइशी इलाकों से निकलने वाले जल-मल और औद्योगिक इकाइयों के रासायनिक कचरे को बिना शोधित किए गंगा में गिरने देना है। औद्योगिक इकाइयों को कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि वे बिना शोधन के औद्योगिक कचरा नदियों में न मिलने दें। इसी तरह शहरी जल-मल के शोधन के लिए जगह-जगह जल-मल शोधन संयंत्र लगाए जाने चाहिए। मगर बड़ी औद्योगिक इकाइयों की राजनीतिक और प्रशासनिक नजदीकी के प्रभाव की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आंखें बंद किए रहते हैं। इसी तरह गंगा के तटों पर किए गए अतिक्रमण हटाने को लेकर मुश्किलें हैं।

उन्मत्त राष्ट्रवाद और चुनाव

पुलवामा की घटना से लेकर, चुनाव की तारीखों की घोषणा के बीच गुजरे तीन सप्ताह से कुछ ज्यादा के दौरान सत्ताधारी भाजपा ने जो कुछ कहा और किया है, उसके बाद इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि उसके हिसाब से उसके हाथ बाजी पलटने वाला मुद्दा लग गया है। इसे तलवार और ढाल दोनों ही बनाकर, वह न सिर्फ मोदी राज की पांच साल की चौतरफा विफलताओं के लिए विपक्ष के हमलों से, अपना बचाव कर सकती है बल्कि अपने विरोधियों को बचाव पर भी डाल सकती है। इसकी शुरुआत तो सीआरपीएफ जवानों की शहादत और अंत्येष्टियों का, सत्ताधारी भाजपा व संघ परिवार और उसके वफादार मीडिया द्वारा आतंकवाद और पाकिस्तान के विरोध के नाम पर, उन्माद जगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने से ही हो चुकी थी। और पुलवामा के आतंकी हमले के जवाब के तौर पर, सीमा पार पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में बालाकोट के जैश-ए-मोहम्मद का शिविर माने जाने वाले परिसर पर हवाई हमले किए जाने के बाद तो उन्मत्त राष्ट्रवादी दुहाई के सहारे चुनाव की वैतरणी पार करने की सत्ताधारी पार्टी की कोशिश, अपने पूरे कद में सामने आ गई। बेशक, यह कोई संयोग ही नहीं था कि पुलवामा पर हमले के बाद गुजरे तीन हफ्तों में नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं ने, अपने चुनाव-केंद्रित सरकारी-गैरसरकारी कार्यक्रमों का सिलसिला ज्यों का त्यों जारी रखा था, जबकि उनके विरोधी कई दिनों तक राजनीतिक आयोजनों से बचते रहे थे। सभी ने देखा है कि किस तरह इन कार्यक्रमों का, गाल-बजाऊ और छाती ठोकू आतंकवाद/ पाकिस्तान विरोध के प्रदर्शनों के जरिए, खासतौर पर मोदी की ''हिम्मतवर और फैसलाकुन' प्रधानमंत्री की छवि बनाने के लिए खुलकर इस्तेमाल किया जा रहा था।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल

गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआइ डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआइ डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594

पुलिस

कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630

होटल-ट्यूरिज्म

गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182

रोडवेज

कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139

हैल्प लाइन

चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012

ब्लड बैंक

संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771

अग्निशमन केन्द्र

अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925

सांस्कृतिक केन्द्र

जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061

ट्यूरिस्ट प्लेस

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055

एम्बुलेंस

एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214

एयरलाइंस

एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882

दुर्घटना थाना

ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

होली विशेष : हर रंग कुछ कहता है... होली से पहले रंगों की भाषा जान लीजिए

सभी रंग सूर्य की किरणों के प्रभाव से बनते हैं। सूर्य की किरणों में सभी रंगों का सम्मिश्रण है। सूर्य की छत्रछाया में अनेक प्रकार की वनस्पतियां तथा जीवधारी पनपते-बढ़ते हैं। उसी प्रकार हरा, लाल और नीला रंग ये मनुष्य को स्वस्थ, यशस्वी और गौरवशाली बनाने वाले हैं। हिन्दू देवी-देवताओं में प्रयुक्त रंगों के चुनाव में कुछ रंगों का निश्चित मनोवैज्ञानिक सांकेतिक अर्थ है। विविध रंग हमारे दैनिक जीवन में उपयोगिता के साथ-साथ ही नव-स्फूर्ति, सुंदरता और कल्याण का संदेश देते हैं। रंगों का स्वास्थ्य और मन पर प्रबल प्रभाव पड़ता है। रंगों के आकर्षक वातावरण में मन प्रसन्न रहता है और उदासी दूर होती है। धार्मिक कार्यों में रोली-कुंकुम का लाल रंग, हल्दी का पीला रंग, पत्तियों का हरा, आटे का सफेद रंग प्रयोग में लाया जाता है। यह हमारे लिए स्वास्थ्यदायक, स्फूर्तिदायक और कल्याणकारी होता है।

लाल रंग

लाल रंग मनुष्य के शरीर को स्वस्थ और मन को हर्षित करने वाला है। इससे शरीर का स्वास्थ्य सुधरता और मन प्रसन्न रहता है। यह पौरूष और आत्मगौरव प्रगट करता है। लाल टीका शौर्य एवं विजय का प्रतीक है। प्रायः सभी देवी-देवताओं की प्रतिमा पर लाल रोली का टीका लगाया जाता है। हिन्दू धर्म में लाल रंग से उन्हीं देवी-देवताओं को सुसज्जित किया गया है, जो परम मंगलकारी, धन, तेज, शौर्य और पराक्रम को प्रगट करते हैं। उन देवताओं को शौर्यसूचक लाल रंग दिया गया है जिन्होंने अपने बाहुबल, अस्त्र-शस्त्र तथा शारीरिक शक्तियों से दुष्ट दैत्यों या आसुरी प्रवृत्तियों को परास्त किया है। हर्ष, खुशी के अवसर पर लाल रंग से ही स्पष्ट किए जाते हैं। विवाह, जन्म, विभिन्न उत्सवों पर आनंद की भावना लाल रंग से प्रगट होती है। नारी की मांग में लाल सिन्दूर जहां उसका सौंदर्य बढ़ाता है वहीं अटल सौभाग्य तथा पति प्रेम भी प्रगट करता है। हिन्दू तत्वदर्शियों ने सिंह वाहिनी भगवती दुर्गा को लाल रंग के वस्त्रों से सुसज्जित किया है। उनकी पूजा से आध्यात्मिक, दैहिक तथा भौतिक त्रितापों को दूर करने का विधान है। धन की देवी लक्ष्मीजी को भी मंगलकारी लाल वस्त्र पहनाए जाते हैं। लाल रंग धन, विपुल संपत्ति, समृद्धि और शुभ-लाभ को प्रकट करने वाला है।

भगवा रंग

यह त्याग, तपस्या और वैराग्य का रंग है। भारतीय धर्म में इस रंग को साधुता, पवित्रता, शुचिता, स्वच्छता और परिष्कार का द्योतक माना गया है। जैसे आग में तपकर वस्तुएं निखर उठती हैं, उनकी कालिमा और सभी दोष दूर होते हैं उसी प्रकार इस रंग को पहनने वाले अपनी विषय-वासनाओं को दग्ध कर आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होते हैं। यह आध्यात्मिकता का प्रतीक है। यह धार्मिक ज्ञान, तप, संयम और वैराग्य का रंग है। यह रंग शुभ संकल्प का सूचक है। यह रंग पहनने वाला अपने कर्तव्य और नैतिक उन्नति के प्रति हमेशा दृढ़ संकल्प रहता है।

हरा रंग

हरा रंग समस्त प्रकृति में व्याप्त है। यह पेड़-पौधे, खेतों-पर्वतीय प्रदेश को आच्छादित करने वाला मधुर रंग है। यह मन को शांति और हृदय को शीतलता प्रदान करता है। यह मनुष्य को सुख, शांति, स्फूर्ति देने वाला रंग है। लाल और हरे रंगों से उद्योगशीलता स्पष्ट होती है। ऋषि-मुनियों ने अपनी आध्यात्मिक उन्नति हरे-हरे पर्वत शिखरों, घास के मैदानों तक निर्झरों के हरे तटों के सुखद-शांत वातावरण में की थी। संसार के महान ग्रंथ, मौलिक विचार, प्राचीन शास्त्र, वेद-पुराण आदि उत्तम ग्रंथ हरे शांत वातावरण में ही निर्मित हुए हैं।

पीला रंग

यह रंग ज्ञान और विद्या का, सुख और शांति का, अध्ययन, विद्वता, योग्यता, एकाग्रता और मानसिक तथा बौद्धिक उन्नति का प्रतीक है। यह रंग मस्तिष्क को प्रफुल्लित और उत्तेजित करता है। भगवान विष्णु का वस्त्र पीला है। पीत वस्त्र उनके असीम ज्ञान का द्योतक है। भगवान श्रीकृष्ण भी पीताम्बर से सुसज्जित हैं। भगवान गणेश की धोती पीली और दुपट्टा नीला या हरा रखा गया है। गणेश का पूजन-अर्चन किसी भी शुभ कार्य के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है।

नीला रंग

सृष्टिकर्ता ने विश्व में नीला रंग सर्वाधिक रखा है। हमारे सिर पर विस्तृत अनंत नीलवर्ण का आकाश है। नीचे सृष्टि में समुद्र तथा सरिताओं में नीले रंग का आधिक्य है। मनोविज्ञान के अनुसार नीला रंग बल, पौरूष और वीर भाव का प्रतीक है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्रजी तथा पुरुषोत्तम योगेश्वर श्रीकृष्ण भगवान दोनों ने ही संपूर्ण मानवता की रक्षा एवं दानवता के विरुद्ध युद्ध करने में आजीवन व्यतीत किया है। इन देवताओं का वर्ण नीला है। भगवान शिव को नीलकंठ कहा जाता है। सागर मंथन करने पर उसमें से विष निकला था। यह विष यदि पृथ्वी पर फेंका जाता तो सर्वनाश निश्चित था। जिसके भी पेट के भीतर जाता, वह मर जाता। भगवान शिव ही सर्वसमर्थ थे, जो उस विष को धारण कर सकते थे। उन्होंने विष को अपने कंठ में रखा और नीलकंठ कहलाए। शिव, विष्णु, गणेश, सूर्य और देवी ये पांच देवता हिन्दू उपासना में प्रसिद्ध हैं। इसमें शिव महादेव सबसे अधिक पौरूषवान हैं कि सर्प भी इनके आभूषण बने हुए हैं।

जीवन्त इतिहास से रूबरू हुए पूर्व विद्यार्थी

सफल राजस्थान

जयपुर। आर्य नगर, मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल, हिन्दी माध्यम के पूर्व विद्यार्थियों की 'एलुमनाई मीट-मिलन' का आयोजन दिनांक 17/03/2019 (रविवार) को प्रातः 11:00 बजे ब्लॉक-बी के सभागार में किया गया। सभी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। पूर्व विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। पूर्व विद्यार्थी अपने साथियों व शिक्षकों से मिलकर गद्‌गद् हो गये, सभी ने अपने अनुभव साझा किये। पूर्व विद्यार्थी विद्यालय में प्रवेश करते हुए अपने अतीत को ढूढ़ते नज़र आये।

इस अवसर पर 1993 बैच के विद्यार्थियों की सिल्वर जुबली के अवसर पर मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों हेतु विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया जिसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। एन. के. शिक्षण संकुल के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुनायच पूर्व विद्यार्थियों को देखकर भाव-विभोर हो गए उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज को डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, नेता, अधिकारी व व्यवसायी की आवष्यकता है, लेकिन उससे भी बढ़कर समाज को एक अच्छे इंसान की ज्यादा आवष्यकता है, आप सभी अपने पेशे का सम्मान करें व उसका लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाये।

एन. के. पब्लिक स्कूल के निदेशक कुलदीप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के आर्थिक युग में आपको अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए कार्य करना है, अधिक धन की लालसा व्यक्ति को अनाचारी बनाती है और उसे कलंकित करती है, आपको पूर्ण ईमानदारी से कार्य करते हुए अपने शिक्षकों, विद्यालय व माता-पिता के आदर्शों को समाज में स्थापित करना है। स्कूल के प्रधानाचार्य वी. डी. शर्मा ने पूर्व छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने आज तक सभी शिक्षकों को गौरवान्वित किया है, आशा है कि आगे भी आप अपने पद का सदुपयोग करते हुए समाज के सभी व्यक्तियों के साथ न्याय करेंगे।

(सफल राजस्थान)। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पांच दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर साथ में राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम दीक्षित का स्वागत करते हुए उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सचिन दीक्षित एवं उनकी टीम।

(सफल राजस्थान)। वैश्य एकता दिवस (जन्म दिवस श्रद्धेय रामदास अग्रवाल) की पूर्व संध्या पर अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा नई दिल्ली के Constitutional club में आयोजित अभिनंदन समारोह में जयपुर की समाजसेविका चारू गुप्ता का सम्मान करते हुए।

श्याम भक्तों के लिए भंडारा

सफल राजस्थान

जयपुर। श्री श्याम अनमोल परिवार, जयपुर द्वारा खाटू पदयात्रियों के लिए सीकर रोड पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक बसंत जलेवा ने बताया कि भंडारे में पदयात्रियों को केले, अंगूर, कोफ्ते, टॉफी, बिस्कुट, छाछ, जलजीरा, चिप्स, आईस्क्रीम आदि वितरित किये गये। इस अवसर पर भारी संख्या में सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीताराम अग्रवाल थे एवं विशिष्ट अतिथि ज्योति तोतला एवं शशि गुप्ता थी।

अग्रवाल समाज अजमेर का होली स्नेह मिलन एवं बुजुर्ग सम्मान समारोह 30 को जनकपुरी गंज में

अजमेर (सफल राजस्थान)। अग्रवाल समाज अजमेर का होली स्नेह मिलन तथा बुजुर्ग सम्मान समारोह 30 मार्च शनिवार को जनकपुरी गंज अजमेर में प्रसिद्ध समाज सेवी लोकेश जी अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जायेगा। अग्रवाल समाज अजमेर के अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेन्द्र अग्रवाल तथा महासचिव नरेन्द्र बंसल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के तहत शनिवार को दोपहर 4 बजे से सांस्कृतिक एवं मंनोरजंन के कार्यक्रम होगे जिसके तहत नृत्य प्रतियोगिता, फैन्सी डेऊस प्रतियोगिता तथा हांस्य व्यंग, फाग गीत तथा कविता आदि प्रस्तुत की जायेगी। इस अवसर पर चेयर रेस तथा हाउजी आदि कार्यक्रम भी कराये जायेगे। साथ ही सुनील आर्केस्ट्रा पार्टी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जायेगा। इसके पश्चात् सांयकाल 6:00 बजे से बुजुर्ग सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा जिसके अन्तर्गत अग्रवाल समाज अजमेर के 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्यों का अभिनन्दन किया जायेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था के लिये आयोजित मीटिंग में व्यापारियों ने खोला समस्याओं का पिटारा

सफल राजस्थान

जयपुर। दिनांक 11 मार्च 2019 सोमवार को दोपहर 12.00 बजे स्थान ऋषभ जैन हाउस, राजमंदिर सिनेमा के पास परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, मेयर विष्णु लाटा, विधायक रफीक खान, विधायक अमीन कागजी, फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल और व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाश गोयल की उपस्थिति में जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था के लिये एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस आयोजित मीटिंग में लगभग राजस्थान की हर व्यापारिक संस्थाओ के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित थे और व्यापारियों ने एक स्वर में खुलकर परेशनियों गिनाई। मुख्य समस्या पार्किंग, यातायात, टॉयलेट, ई-रिक्शा, अतिक्रमण, शौचालय निर्माण और फुटकर व्यापारी को बिठाने और स्मार्ट सिटी के काम आदि समस्याओं को गिनाया। फोर्टी के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया की ट्रैफिक की जो समस्या है उसको पीपीपी मॉडल पर वार्ड वाइज बाँट कर सभी स्वयं कैमरा लगाये और उनसे जो जुर्माना आता है उसका एक हिस्सा जो कैमरा लगाता है उसको भी दिया जाना चाहिये इससे सरकार का फण्ड भी बचेगा और इसके साथ-साथ भ्रष्टाचार भी समाप्त होगा और कहीं कोई क्राइम होता है तो उसका तुरन्त समाधान हो पायेगा।

साथ ही परिवहन, नगर निगम और मेट्रो विभाग अधिकांश समस्याओं को दूर कर सकते है। फोर्टी उपाध्यक्ष रवि नय्यर, अति. महामंत्री गिरधारीलाल खण्डेलवाल व अति. महामंत्री नरेश सिंघल भी इस आयोजित मीटिंग में उपस्थित थे उन्होंने भी व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुये कहा की स्मार्ट सिटी के काम से आमजन परेशान हैं जगह-जगह कार्य चालु है। जिससे यातायात व्यवस्था चौपट है इस पर तुरन्त ध्यान दिया जाना चाहिये साथ ही सुलभ शौचालय का निर्माण भी होना चाहिए। गिरधारी खण्डेलवाल ने अपने 6 केएस= की समस्या को अवगत कराते हुये बताया की कुछ समय पहले सिविर लाइन्स की सफाई करवाई गई थी परन्तु अभि भी वहां पर कचरा हटाया नही गया है जिससें लगातार दुर्गन्ध आती है साथ ही साथ बीमारियाँ बढ़ने का खतरा है।

कार्यकर्ता चौकीदार बन राष्ट्र सेवा का संकल्प ले : डॉ. चतुर्वेदी

सफल राजस्थान

जयपुर। भाजपा के संकल्प से सिद्धि नव भारत निर्माण एवं विशेष संपर्क अभियान-2019 महाभियान द्वारा चाकसू के देव गॉर्डन में विजय सिद्धि अभियान के तहत शशक्त मोदी शशक्त भारत कार्यक्रम में महाभियान के प्रदेश संयोजक डॉ लोकेश चतुर्वेदी ने सभी राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओ को राष्ट्र की रक्षा के लिए मोदी जी की तरह चौकीदार बन कर राष्ट्र सेवा का संकल्प दिलाया। प्रो चतुर्वेदी ने आने वाले लोकसभा चुनावों में 25 की 25 सीटों पर पार्टी की विजय के लिए कार्यकर्ताओ को हनुमान जी की तरह समर्पण भाव से कार्य कर सम्पूर्ण विजय 400 प्लस के लिए एकजुट होने का आव्हान किया।

कार्यक्रम में पूर्व राज्य सभा सदस्य ओंकार सिंह लखावत ने कार्यकर्ताओं व आमजन को कांग्रेस के धोखे में न आकर मोदी जी के नेतृत्व के 5 सालों का आकलन कर जिस तरह देश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है और अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख बानी है, देश के दुश्मनों को धूल चटाई चटा कर देश का मस्तक ऊंचा किया है। आने वाली सरकार पुनः मोदी जी के नेतृत्व में बने इस संदेश को लेकर हमे जन जन तक योजनाबद्ध तरीके से पहुच कर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में देसी शर्मा प्रभारी जयपुर विशेष सम्पर्क अभियान 2019 ने नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखे पत्र पढा एवं शशक्त मोदी-शशक्त भारत पर सभी को एक जुट हो कर नये भारत के निर्माण मे भागेदारी

निभाने कि अपील की। कार्यक्रम में कई पूर्व सैनिकों, खिलाड़ियों, लोकतंत्र सेनानियों व उनके परिवारों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक व महाभियान के जयपुर दक्षिण देहात जिला संयोजक अर्जुन सिंह राजावत एडवोकेट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मंच संचालन चंद्रशेखर सुरपुरा ने किया और कार्यक्रम में बस्सी, चाकसू, दूदू, बगरू के आम नागरिकों के साथ साथ भाजपा के हजारो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा महाभियान के प्रदेश प्रतिनिधि एवं जयपुर, बीकानेर संभाग के प्रभारी प्रदीप खेतान, हितेश गौतम, अनुराधा उपाध्याय, अरुणा टांक, वंदना मेहरोत्रा, युक्ति उप्पल, अरुण जोशी, योगेश शर्मा, अदिति शर्मा, सुमित शर्मा, अंकित भारद्वाज, प्रियंका चौहान, राजेन्द्र शर्मा, हेम सिंह राठौड़ पूर्व मंडल अध्यक्ष, अजीत सिंह चौहान लालसोट विधानसभा प्रभारी, देवराज सिंह मोहनपुरा, मोहन सिंह राजावत, जगदीश गुर्जर उप प्रधान चाकसु, राजू सिंह तवर, देवी सिंह गोगावत, शुभम शर्मा आदि कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

जोधपुर से टिकट पाने की दौड़ में गहलोत के बेटे सबसे आगे

सफल राजस्थान

जोधपुर। जोधपुर लोकसभा सीट एक अलग तरह की चुनावी लड़ाई के लिए तैयार हो रही है, जिसे लेकर राजस्थान की सत्तारूढ़ कांग्रेस और मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संकेत दिए हैं कि उनके बेटे वैभव गहलोत इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। वैभव के जोधपुर से चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच यह सीट राज्य में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला संसदीय क्षेत्र बन गया है। कांग्रेस ने यहां से आठ बार चुनाव जीता है, जबकि भाजपा ने चार बार चुनाव जीता है। यह सीट मौजूदा सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत के पास है, जोकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में राज्य मंत्री हैं। शेखावत ने कहा, अगर वैभव इस चुनाव में लड़ेंगे, तो यह सीट देश में सबसे ज्यादा चर्चा वाली सीट बन जाएगी। शेखावत ने कहा, हमने राजनीतिक दिशा बदल दी है। कांग्रेस ने मंदिर, गाय और राष्ट्रवाद के मुद्दे पर भाजपा का अनुसरण करना शुरू कर दिया है।

पांच वर्ष तक सोते रहे भाजपा के केन्द्रीय मंत्री, जनता को नहीं मिला कोई लाभ : खाचरियावास

'भाजपा के केन्द्रीय मंत्रियों में दम होता तो जयपुर-दिल्ली हाईवे की नहीं होती दुर्दशा'

सफल राजस्थान

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता, परिवहन और सैनिक कल्याण मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि भाजपा के सभी केन्द्रीय मंत्री पिछले पांच वर्ष से सोये हुये हैं, सिर्फ बयानबाजी करते हैं। अपने पद पर रहते हुये उन्होंने कांग्रेस की किसी भी केन्द्रीय योजना के जरिये प्रदेश के लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास नहीं किया। केन्द्रीय कृषि मंत्री गजेन्द्र सिंह, राज्यवर्धनसिंह राठौड, बीआर चौधरी और अर्जुनराम मेघवाल हमेशा कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी करने में लगे रहते हैं। इनको यह बताना चाहिये कि इन पांच वर्षों में उन्होंने अपने प्रयास से केन्द्र सरकार की कौनसी योजना को राजस्थान में ईमानदारी से लागू करवाकर प्रदेश की जनता को फायदा पहुंचाया। प्रदेश की जनता से इनको कोई सरोकार नहीं है, यही कारण है कि जयपुर-दिगी हाईवे पिछले पांच वर्ष से बुरे हालत से गुजर रहा है। इन पांच वर्षों में आज तक जयपुर-दिगी हाईवे पूरा नहीं हो पाया, आयेदिन सड़क

दुर्घटनाऐं होती है, लोगों की जान चली जाती है, जाम लगने से लोग परेशान होते हैं, लेकिन आज तक जयपुर-दिगी हाईवे पूरा नहीं हो पाया। किसान सम्मान निधि योजना को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री गजेन्द्र सिंह का बयान बडा ही हास्यास्पद है। यदि उन्हें राजस्थान की जनता की इतनी चिंता थी तो उन्होंने प्रदेश के अधिकारियों, प्रदेश के मंत्रियों से और मुख्यमंत्री से मीटिंग करके, किसान सम्मान निधि योजना में किसानों के हित में विशेष प्रयास करने चाहिये थे। राजस्थान सरकार को केन्द्र की योजना से होने वाले सभी लाभों से भाजपा ने वंचित रखा, लेकिन सिर्फराजनीति करने और बयानबाजी से प्रदेश की जनता और किसानों का भला होने वाला नहीं है। केन्द्र सरकार के मंत्रियों को धरातल पर आकर काम करना चाहिए, अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए, यह बताना चाहिये कि उन्होंने कौनसे प्रयास किये जिससे राजस्थान के किसानों या प्रदेश की जनता को फायदा हुआ हो?

खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान सरकार ने तो 18 हजार करोड़ के किसानों के कर्जे माफ करके 24 लाख किसान परिवारों को सीधा लाभ दिया है, युवाओं को 3000-3500 बेरोजगारी भत्ता, 1 करोड़ 75 लाख लोगों को 1 रू. किलों में गेंहू, शहीदों की विधवाओं को 4000 की जगह 10000 रूपये पेंशन, विकलांग एवं विधवा पेंषन में विशेष बढ़ोतरी करके वो काम किये हैं जो भाजपा सरकार पूरे पांच साल में नहीं कर पाई।

होली की हार्दिक शुभकानाएँ।
Vikrant Agarwal
Director
Shree Shyam Baba Engineering
Manufacturers, Wholesaler & Retailer of : Nut Bolts, Tie Rods & Transformer Tank Fitting
G-899, Road No. 14 P, V.K.I. Area, Jaipur-302013
Ph.: 91-141-4109524 (O), Mob.: +91-98292-55032, +91-78778-55032
E- mail : shreeshyanbaba.e@rediffmail.com, vikranta66@gmail.com

होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
AARAM PU FOOTWEAR
Vrindavan Polymer Industries
G-1/147, Badharna Extn., Road No. 14, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-13
Ph.: 0141-4107930, Mobile: 98280-48280, 9314494140, 7610005060, 9414076589

सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
विनायक फ्रेक्चर & जनरल हॉस्पिटल, चौमूं
नव दुर्गा माता मंदिर के सामने, जयपुर रोड, चौमूं
डॉ. राकेश चौधरी
MBBS, MS (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
Joint Replacement & Spine Surgeon
पूर्व चिकित्सक मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर
5000 से अधिक सफल ऑपरेशन एवं अनुभव
:: सुविधाएं ::
सभी प्रकार के फ्रेक्चर का इलाज एवं ऑपरेशन सूक्ष्म चीरे द्वारा। स्लीप डिस्क (रीढ़ की हड्डी) का ऑपरेशन। कूल्हे एवं घुटने के जोड़ का प्रत्यारोपण। घुटने की टूटी हुई नसों (Ligaments) का दूरबीन द्वारा इलाज बिना चीरे से। पुराने टेढ़े-मेढ़े जुड़ी हुई हड्डियों का इलाज। पैरों में दर्द, सुन्नपन, झंझनाहट एवं कमजोरी आना। गठिया बाय एवं रिंगण बाय का इलाज। हड्डी में डले गये रॉड, स्क्रू, प्लेट का भामाशाह में फ्री निकलवाएं। जोड़ों में असहनीय दर्द, सूजन एवं लचक आना। घुटना अटक जाना, आलथी-पालथी एवं उकड़ू बैठने में तकलीफ। कूल्हे के जोड़ में दर्द। कमर, रीढ़ की हड्डी में दर्द।
:: अन्य सुविधाएं ::
अपेंडिक्स, हर्निया, बच्चेदानी, पित्त की थैली का ऑपरेशन। गुर्दे की पथरी एवं मूत्र रोगों का इलाज। सभी प्रकार के चर्म रोग एवं बालों के झड़ने का इलाज।
भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत निःशुल्क ऑपरेशन सुविधा
डॉ. निष्ठा लाम्बा
MBBS, MD. (Anae.)
पूर्व चिकित्सक SMS हॉस्पिटल, जयपुर
सम्पर्क सूत्र 7597512481
24 घण्टे परामर्श भर्ती एवं ऑपरेशन सुविधा * डॉक्टरों का निवास हॉस्पिटल परिसर में ही है।

होली की हार्दिक शुभकानाएँ।
निःशुल्क सेवाएँ
वास्तु सलाहकार
श्री कदम्ब वृक्षरोपण
28, एसएसआई एनक्लेव, शॉपिंग सेन्टर अम्बाबाड़ी, जयपुर
फोन : 2335816, 2336630
Website : www.jajoogroup.com
जजोदिया ग्रुप
जाजू केमिकल ग्रुप
सुधीर जाजू
पुत्र श्री रामस्वरूप जाजू (समाज संरक्षक)

होली की हार्दिक शुभकानाएँ।
मोहनलाल अग्रवाल
कोषाध्यक्ष,
विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन

समस्त प्रदेश वासियों को
होली
Happy Holi
हार्दिक शुभकामनाएँ
शुभेच्छु:- पुष्पेन्द्र भरद्वाज
(सांगानेर विधान सभा) मो. 9214364997
अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पर्यावरण प्रकोष्ठ)
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ
Happy Holi
TIME TO CHANGE YOUR BODY
JAMNA TENNIS ACADEMY
ITF QUALIFIED COACHES
Hostel, Gym & Conveyance Facility Available
HIGH INTENSITY PROGRAM OF 8 HOURS
TENNIS WITH HIGH LEVEL PHYSICAL PROGRAM
100 Ft., New Loha Mandi Road, Near Road No. 14 Flyover, Sikar Road, Jaipur
M. : +91- 8829057100, 9829252921

सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
SSMG HOSPITAL
एस.एस. महिला एण्ड जनरल हॉस्पिटल
24X7 EMERGENCY
A MULTI SPECIALITY HOSPITAL
मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
डिलीवरी सुविधा
सभी तरह के ऑपरेशन
24X7 इमरजेन्सी एवं ट्रोमा केयर
ICU, NICU
अल्ट्रासाउण्ड
डिजिटल एक्सरे
एंबुलेन्स
हड्डी एवं फेक्चर चिकित्सा
जनरल मेडिसिन
एस एस महिला एवं जनरल हॉस्पिटल
E-mail:ssmgh.chomu@gmail.com

सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ होली एवं बधाई
बाबूलाल यादव
श्रीमती सुमित्रा यादव

होली की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
बंसल क्लिनिक एण्ड डाइग्नोस्टिक सेन्टर
क्लिनिक : BL - 38, बस स्टेण्ड के पास, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन : 2335224 M.: 9414262546, E-mail : drmkbansal63@gmail.com
समय : सुबह 9 से 1.30 बजे व सांय 5 से 9.00 बजे
निवास : 6/201, 'राम कुटीर' विद्याधर नगर, जयपुर
समय : सुबह 7 से 9, दोपहर 4 से 5, रात 9 से 10 बजे
Dr. M.K. Bansal
SENIOR PHYSICIAN
(Regd. No. 12072 R.M.C.)

सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
TA-1 TA-2 TA-3 TA-43
TAI
Tirupati Agro Industries
DEALS IN : ALL TYPE OF SPRINKLER ACCESSORIES
G-1, 139, RIICO Industrial Area, Sarna Dungar, Jaipur (Raj.)
Mob.: 9414075908, Ph.: 0141-2587100
E-mail : tirupatiagro_jpr@yahoo.com

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान
व्यावसायिक प्रकोष्ठ
समस्त प्रदेशवासियों को होली के पावन पर्व पर हार्दिक एवं अनंत शुभकामनाएं
प्रदीप कोठारी

भगवा रक्षा दल
शिव सेना राजस्थान
93145 13404, 94148 43083
देवेन्द्र शर्मा (रींगस)
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भगवा रक्षा दल
राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिवसेना राजस्थान
सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
22/22 Kt. Hallmark
IDT
जगमगाते आभूषणों का संसार
गोल्ड एवं डायमंड ज्वैलरी की उत्कृष्ट श्रृंखला
RUKMANI JEWELLERS
Certified Diamond Jewellery
राजपूती गहनों की विस्तृत रेंज उपलब्ध
सिल्वर गिफ्ट आइटम
कुन्दन, मीना, पोल्की के जड़ाऊ सैट
G-66-67, Shiv Shakti Paradise, Central Spine, Vidyadhar Nagar, Jaipur-302023 Ph.: 0141-2232441
E-mail : rukmanijewellers_jaipur@yahoo.com • Website : www.rukmanijewellers.com

सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
Neuro Care Hospital & Research Centre Pvt. Ltd.
WORLD CLASS NEURO FACILITY IN RAJASTHAN
Vision of Excellence
Mission to Save Lives
DIRECTOR
Dr. Nemi Chand Poonia
(MBBS, MS (Gen Surgery) M.Ch. (Neuro Surgery)
NEURO CARE HOSPITAL & Research Centre Pvt. Ltd.
Facility
- 13 Bedded ICU
- 24 Hrs. Ambulance Services
- 24x7 Medical Store Services
- 24x7 Emergency Services
- All Kinds of Neuro Surgery
- Round the Clock Lab/Digital X-ray
- C-Arm
- Neuro Endoscope for Cranial and Spinal Surgery
- Round the Clock C.T. Scan/M.R.I.
- Highly Equipped Critical Care Unit
- A.C. Deluxe/Super Deluxe Rooms
- Twin Sharing Deluxe Rooms
- World Class Modular Operation Theatre
- Neuro Navigation System "Cranial and Spinal Navigation."
- Haag Streit Surgical Operating Microscope Model-hs20-1000g
- Sonopet (CUSA)

1/611, SECTOR-1, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR-302023 (RAJASTHAN) INDIA
Phone : +(91)-141-2236712, 9983300286, 9829115233 | Email : neurocare2013@gmail.com

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661